मोदी के बयान से यूपी के शुगर मिलों में बढ़ी बेचैनी

[श्रेया जय | नई दिल्ली]

उत्तर प्रदेश की शुगर इंडस्ट्री के दिग्गज नरेंद्र मोदी के किसानों को बेहतर डील देने और प्राइवेट कंपनियों के मुकाबले सहकारी मिलों को ज्यादा तवज्जो दिए जाने के बयान से चिंतित नजर आ रहे हैं।

मेरठ में एक बड़ी रैली में मोदी ने गन्ना किसानों के लिए चलाई जा रही राज्य की पॉलिसी की आलोचना की थी और कहा कि गुजरात में चीनी की सहकारी मिलें उत्तर प्रदेश की प्राइवेट मिलों से भी बेहतर हालत में हैं। गुजरात की 16 सहकारी मिलों ने 2012-13 में 11 लाख टन चीनी का उत्पादन किया, जबकि उत्तर प्रदेश की 122 मिलों ने 74 लाख टन चीनी का उत्पादन किया।

उत्तर प्रदेश में गन्ने का दाम 280 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि गुजरात में यह 260 रुपये प्रति क्विंटल है। पीक सप्लाई सीजन में यह बढ़कर 310 रुपये प्रति क्विंटल हो गया था।

मिलर्स इससे चिंतित हैं। इंडिया की सबसे बड़ी शुगर मिलों में से एक के सीनियर एग्जिक्यूटिव ने कहा, 'हम हमेशा से राजनीतिक मकसदों के शिकार रहे हैं। गन्ने का दाम बढ़ाकर बहुत ज्यादा कर दिया गया है। दरअसल सरकार गन्ना किसानों के हित भी नहीं देख रही है। वहीं नेता इस पर राजनीति से बाज नहीं आ रहे।' इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के अनुमानों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश की शुगर इंडस्ट्री को 2012-13 में 3,000 करोड़ रुपये का लॉस हुआ। इसकी वजह गन्ने की ऊंची कीमतें और चीनी के दाम में आई गिरावट थी। यूपी में गन्ना किसानों का एरियर (मिलों पर बकाया रकम) इस वक्त 4,600 करोड़ रुपये है। इस्मा ने यह भी अनुमान लगाया है कि राज्य में गन्ने का एरियर अप्रैल तक 12,000 करोड़ पहुंच सकता है।

- **नरेंद्र मोदी** ने यूपी के किसानों को बेहतर डील देने और प्राइवेट कंपनियों के मुकाबले सहकारी मिलों को ज्यादा तवज्जो दिए जाने की बात कही है
- **उत्तर प्रदेश** में गन्ने का दाम 280 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि गुजरात में यह 260 रुपये प्रति क्विंटल है। पीक सप्लाई सीजन में यह बढ़कर 310 रुपये प्रति क्विंटल हो गया था

गुजरात की मिलें भी शुगर की कीमतों में गिरावट से लॉस उठा रही हैं। गुजरात स्टेट को-ऑपरेटिव मिल्स फेडरेशन के एक मेंबर ने कहा, 'शुगर इंडस्ट्री के डीकंट्रोल के बाद चीनी की कीमतें नीचे आ गई हैं। 300 रुपये प्रति क्विंटल के गन्ने के दाम के साथ मिलें प्रॉफिट नहीं कमा पा रही हैं।'

गुजरात में गन्ना किसान शुगर मिलें चलाते हैं। इनमें से ज्यादातर ने चीनी की कम कीमतों के चलते हो रहे नुकसान की वजह से टैक्स नहीं चुकाए हैं। गुजरात के एक शुगर ट्रेडर ने कहा कि डिफॉल्टर्स को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से नोटिस भी मिला है। नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों की बुरी हालत पर चिंता जाहिर की थी।

मोदी ने अपनी स्पीच में कहा था, 'यहां के गन्ना किसानों की हालत को देखकर कोई भी अच्छा महसूस नहीं करेगा। वे खाने तक के पैसे नहीं कमा पाते हैं। मिलों को गन्ना नहीं मिल रहा है और वे काम नहीं कर रही हैं।'

Economic times

6/2/14